

## सीएसआईआर-सीरी द्वारा विकसित “दुग्ध आपूर्ति चेन में मिलावट की मॉनिटरिंग प्रणाली” का प्रौद्योगिकी हस्तांतरण

सीएसआईआर-सीरी ने दुग्ध आपूर्ति शृंखला की मॉनीटरिंग के लिए विकसित प्रणाली के विनिर्माण और विपणन (Manufacturing & marketing) के लिए 7 नवंबर, 2019 को मेसर्स क्यूबॉयड आईओटेक प्राइवेट लिमिटेड, गुरुग्राम के साथ समझौता किया। यह प्रौद्योगिकी हस्तांतरण संस्थान में आयोजित एक कार्यक्रम में किया गया। कार्यक्रम की अध्यक्षता संस्थान के निदेशक डॉ दिनेश कुमार असवाल ने की। समझौता ज्ञापन का आदान-प्रदान मेसर्स क्यूबॉयड आईओटेक प्राइवेट लिमिटेड, गुरुग्राम के सीईओ श्री उत्कर्ष कपूर और डॉ. जे. एल. रहेजा, प्रमुख, पीएमई के बीच संपन्न हुआ। प्रौद्योगिकी हस्तांतरण कार्यक्रम के दौरान क्यूबॉयड आईओटेक से सुश्री स्मृति उत्कर्ष, निदेशक; श्री रामी काचरू, चीफ टेक्नोलॉजी ऑफिसर और श्री राहुल अग्रवाल, चीफ रिस्क एंड स्ट्रैटेजी ऑफिसर के अलावा सीएसआईआर-सीरी से डॉ. एस.ए. अकबर, मुख्य वैज्ञानिक और समन्वयक, सीपीएस, डॉ. पी. सी. पंचारिया, वरिष्ठ प्रधान वैज्ञानिक और प्रभारी, सीरी, जयपुर केंद्र के साथ ही संस्थान के अन्य वरिष्ठ वैज्ञानिक और मीडिया कर्मी उपस्थित थे। उल्लेखनीय है कि भारत के राष्ट्रपति श्री रामनाथ कोविंद जी ने सीएसआईआर-सीरी द्वारा दूध में मिलावट की जांच करने के लिए विकसित क्षीर स्कैनर प्रौद्योगिकी के हैंड हेल्ड संस्करण ‘क्षीर टेस्टर’ को 27 सितंबर, 2017 को राष्ट्र को समर्पित किया था।



प्रौद्योगिकी हस्तांतरण कार्यक्रम के दौरान संबोधित करते हुए डॉ डी के असवाल, निदेशक, सीएसआईआर-सीरी

डॉ दिनेश कुमार असवाल, निदेशक, सीएसआईआर-सीरी ने इस अवसर पर मेसर्स क्यूबॉयड आईओटेक के सभी प्रतिनिधियों का स्वागत किया और कहा कि यह संस्थान अपने सामाजिक मिशन के तहत आम नागरिकों के जीवन को सरल और सहज बनाने के लिए तथा भारत सरकार के स्वच्छ भारत और मेक इन इंडिया मिशन को साकार करने के लिए अनवरत काम कर रहा है। उन्होंने बताया कि सीएसआईआर-सीरी, पिलानी ने

सीएसआईआर के फास्ट ट्रैक ट्रांसलेशन प्रोजेक्ट (एफटीटी) कार्यक्रम के तहत दुग्ध आपूर्ति शृंखला में अपमिश्रण (मिलावट) की जांच के लिए यह प्रणाली विकसित की है।



संस्थान के वैज्ञानिकों द्वारा विकसित  
दुग्ध आपूर्ति शृंखला में मिलावट की मॉनिटरिंग प्रणाली



दुग्ध आपूर्ति शृंखला मॉनिटरिंग प्रणाली एवं उसकी आवश्यकता और महत्व पर प्रस्तुतीकरण देते हुए डॉ पी सी पंचारिया

डॉ पंचारिया, वरिष्ठ प्रधान वैज्ञानिक एवं प्रभारी, सीरी जयपुर केंद्र ने भी उनकी टीम द्वारा विकसित दुग्ध आपूर्ति शृंखला मॉनिटरिंग प्रणाली की आवश्यकता और महत्व इस पर संक्षेप में प्रकाश डाला। उन्होंने बताया कि उन्होंने बताया कि खाद्य पदार्थों की गुणता की जांच और मिलावट (अपमिश्रण) का पता लगाना संबंधित विभागों की बड़ी चुनौतियाँ हैं। यह सर्वविदित तथ्य है कि नष्ट होने वाले खाद्य पदार्थों विशेषकर दूध आपूर्ति चेन या शृंखला का मॉनिटरिंग अनिवार्य है। गावों के दूध संग्रहण केंद्रों, प्रशीतन केंद्र (कोल्ड स्टोरेज) के स्तर पर और परिवहन आदि के दौरान दूध की गुणता का उचित मॉनिटरिंग आवश्यक है ताकि गुणता ह्रास (क्वालिटी डीग्रेडेशन) और मिलावट के कारण होने वाले नुकसान को कम से कम किया जा सके। यह प्रणाली इंटरनेट ऑफ थिंग्स

(IoT) समर्थित है जो दुग्ध संग्रहण केंद्र के प्रत्येक नमूने को मॉनीटर कर सकती है और इसके आंकड़े वास्तविक समय (रियल टाइम) में डेयरी को भेज सकती है। आम तौर पर दूध में उपयोग किए जाने वाले मिलावटी पदार्थों जैसे नमक, यूरिया, कॉस्टिक सोडा, अमोनियम सल्फेट आदि को यह प्रणाली 20-25 सेकंड में लगभग शून्य परीक्षण लागत पर मॉनीटर कर सकती है। यह प्रणाली दूध के अन्य पैरामीटरों जैसे वसा और दूध की ठोस गैर-वसा सामग्री के बारे में बताने में भी सक्षम है। उन्होंने इस बात को रेखांकित किया कि यह इस्तेमाल के लिए सुरक्षित होने के साथ-साथ गाँव और तहसील स्तर पर विभिन्न दुग्ध समितियों के दूध संग्रहण केंद्रों पर संस्थापन (इन्स्टॉल) किए जाने के लिए बेहतरीन है। मेसर्स क्यूबॉयड आईओटेक के प्रतिनिधियों ने प्रणाली के संबंध में प्रश्न पूछे और डॉ पंचारिया ने उनके प्रश्नों के उत्तर देकर उनकी जिज्ञासा शांत की।



सीएसआईआर-सीरी और मेसर्स क्यूबॉयड आईओटेक प्राइवेट लिमिटेड, गुरुग्राम के बीच समझौता ज्ञापन का आदान-प्रदान

प्रौद्योगिकी हस्तांतरण के उपरांत मीडिया से चर्चा करते हुए डॉ असवाल ने कहा कि सीएसआईआर-सीरी, पिलानी ने दुग्ध आपूर्ति शृंखला मॉनिटरिंग प्रणाली के विनिर्माण और विपणन (Manufacturing & marketing) के लिए मेसर्स क्यूबॉयड आईओटेक प्राइवेट लिमिटेड, गुरुग्राम के साथ समझौता किया है। उन्होंने दूध में मिलावट के कारण होने वाली राष्ट्रीय स्तर की स्वास्थ्य समस्या के समाधान हेतु इस प्लेटफॉर्म प्रौद्योगिकी को विकसित करने के लिए डॉ पी सी पंचारिया और उनकी टीम की प्रशंसा की। डॉ. असवाल ने कहा कि इस अगली पीढ़ी की प्रौद्योगिकी प्रणाली के अन्य लाभों के अलावा यह दुग्ध संग्रहण केंद्रों पर कच्चे दूध के नमूने की स्वचालित स्कैनिंग की सुविधा प्रदान करती है। यह प्रणाली खाद्य निरीक्षकों द्वारा मौके पर ही दुग्ध परीक्षण के लिए भी उपयोगी सिद्ध हो सकती है और “स्वस्थ भारत” के लिए इस प्रकार का प्रभावी प्रौद्योगिकीय हस्तक्षेप आवश्यक है।

इस अवसर पर मेसर्स क्यूबॉयड आईओटेक प्राइवेट लिमिटेड, गुरुग्राम के मुख्य कार्यकारी अधिकारी (सीईओ) श्री उत्कर्ष कपूर ने भी पावर पॉइंट प्रस्तुतीकरण के माध्यम से अपनी कंपनी की स्थापना एवं उसके उद्देश्यों से अवगत कराया।



कार्यक्रम के दौरान मेसर्स क्यूबॉयड आईओटेक प्राइवेट लिमिटेड के प्रतिनिधि

अंत में उन्होंने निदेशक, सीएसआईआर-सीरी के प्रति आभार व्यक्त किया कि उन्हें इस प्रौद्योगिकी के माध्यम से इस प्रतिष्ठित संस्थान से जुड़ने का अवसर प्राप्त हुआ। कंपनी के प्रतिनिधियों ने इस प्रौद्योगिकी के संबंध में संतोष व्यक्त करते हुए आशा व्यक्त की कि शीघ्र ही यह प्रौद्योगिकी जनसामान्य को लाभान्वित करने के लिए उत्पाद के रूप में बाजार में उपलब्ध होगी।

**दैनिक भास्कर** 08-Nov-2019 Page 13

**मिलावट के खिलाफ तकनीक • डेयरी के माध्यम से आमजन तक पहुंचाने वाले दूध में मिलावट का पता लगाएगी मशीन**

**दूध में मिलावट रोकने सीरी ने बनाया निगरानी सिस्टम, संग्रहण केंद्र से डेयरी तक कहीं भी गड़बड़ी की गई तो तुरंत पकड़ी जाएगी**

**मसूदा नमक, यूरिया, कॉस्टिक सोडा, अमोनियम सल्फेट का पता लगाएगी**

**दूध में मिलावट रोकने के लिए दूध में नमक, यूरिया, कॉस्टिक सोडा, अमोनियम सल्फेट का पता लगाए जा सकेगा। दूध का पैकेट इससे खाल करके अम्लिक एसिड का अनुपात 20 से 25 प्रतिशत में इस्तेमाल किया जा सकेगा।**

**दूध में मिलावट रोकने के लिए दूध में नमक, यूरिया, कॉस्टिक सोडा, अमोनियम सल्फेट का पता लगाए जा सकेगा। दूध का पैकेट इससे खाल करके अम्लिक एसिड का अनुपात 20 से 25 प्रतिशत में इस्तेमाल किया जा सकेगा।**

**राजस्थान पत्रिका**

**झुंझुनूं पत्रिका**

**25 सेकंड में मिलेगी दूध में मिलावट की जानकारी**

**नवलनगर, विद्यावा, जेठपड़ी, उदयपुरवाटी, बुलना, बिनाद, बाराद, पुरपुरवा, मलसतीर, पिपलती**

**25 सेकंड में मिलेगी दूध में मिलावट की जानकारी**

**नवलनगर, विद्यावा, जेठपड़ी, उदयपुरवाटी, बुलना, बिनाद, बाराद, पुरपुरवा, मलसतीर, पिपलती**